Purposed Bodla Reservoir above 5 Acre

कुरुक्षेत्र के खिड़कीवीरा गांव में जहाँ पर सरस्वती नदी के बंध टूटते थे वहाँ पर पत्थर लगाकर मजबूती की गई।

हिमाचल प्रदेश की सोलन विधानसभा से पूर्व स्पीकर राजीव बिंदल जी के माध्यम से सरस्वती बोर्ड ने आदिबद्री से माता मंत्रा देवी तक हिमाचल के क्षेत्र में रास्ता बनवाया जिस पर श्रद्धालु अब आराम से माँ के दर्शन कर सकते है

Adi Badri to Dam Site road to be constructed will connect the Haryana with Himachal Pradesh creating a new route for tourism activities. This road will also be used during the construction and Post construction maintenance purpose for Adi Badri Dam. Total cost of the project is about 14 Cr. Length of the road is 2.25 km. in Haryana portion and about 7-8 km in Himachal Pradesh.

सरस्वती नदी के किनारे अवैध कब्जों व मीट की दुकानों को बंद करवाया

Diagram for Revival of Linda Nalla From Khanpur Kolia NH-44 To Syl Parralel Drain so that Water of Benthon Nalla could be Divert. The length of the project approx. 18 km.

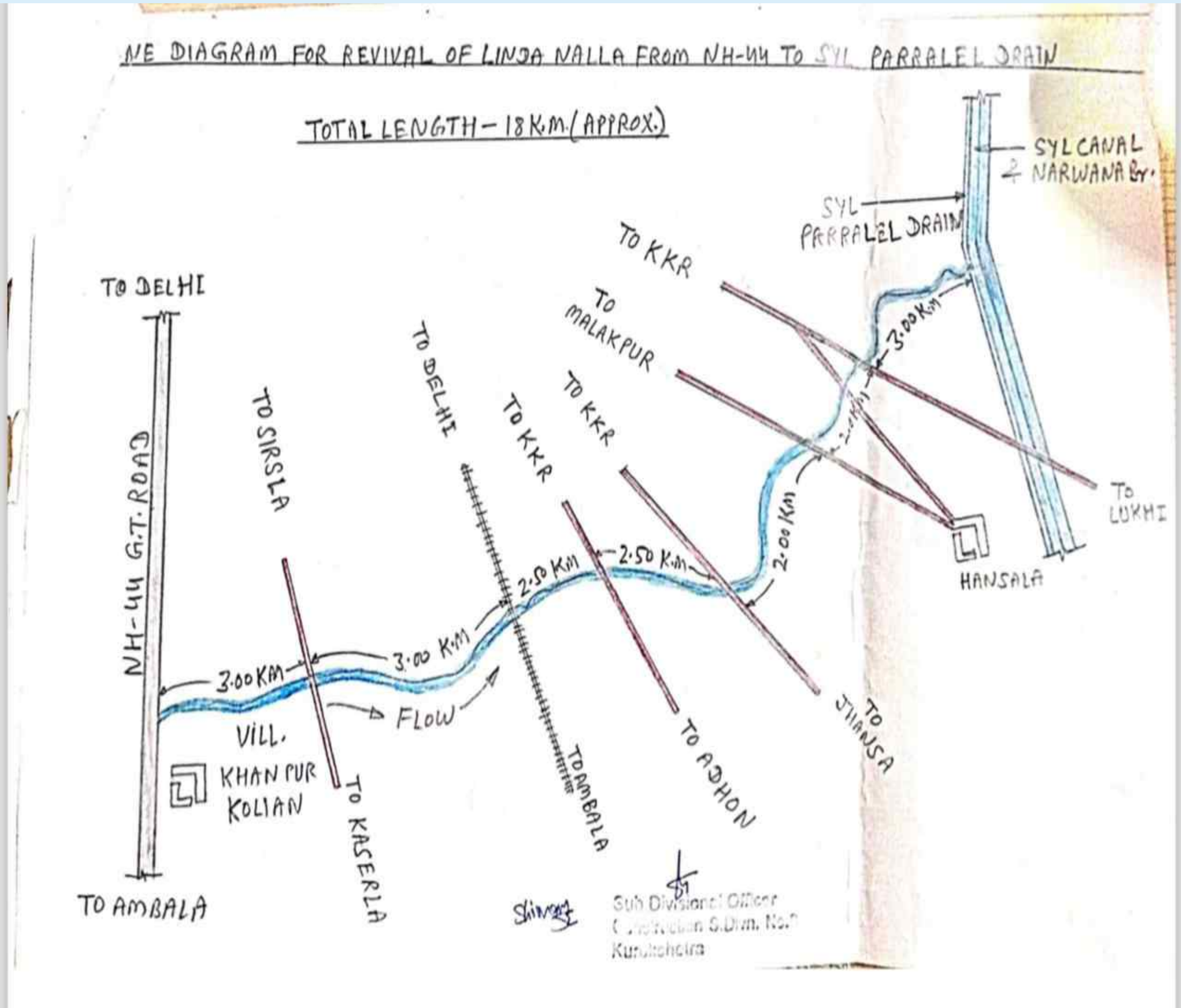

सरस्वती मंदिर अजात आश्रम

सरस्वती मंदिर अजात आश्रम बिलासपुर, यमुनानगर में है जो सरस्वती नदी के किनारे पर स्थित है। यहाँ पर सरस्वती बोर्ड एक सरस्वती वाटिका व सुन्दरता का कार्य 70 लाख में शुरु कर रहा है जिसका काम जारी है।

बुबका हैड से सरस्वती नदी की शाखा राक्षी नदी में पानी का बहाव बरसात के मौसम में करवाया जिससे राक्षी नदी के 25 किलोमीटर के दायरे में लाड़वा से होते हुए पूरे क्षेत्र में पानी चला जिससे किसानों को बहुत फायदा हुआ।

सरस्वती बोर्ड के प्रयासों से सरस्वती नदी की शाखा राक्षी नदी पर लाड़वा में तीन करोड़ में बनने वाली 2200 फुट ट्रफ का माननीय मुख्यमंत्री नायब सैनी जी से शुभारंभ करवाया जिससे लाड़वा शहर में फ्लड के समय नदी को टूटने से बचाया जा सके जिससे इसकी capacity भी बढ़ गई है।

Name Of Work - Construction Of R.C.C Trough (U-Shape) Between Rd 31600 To 33800 Of Rakshi Nadi In Ladwa City

- **Under Head : 55th meeting Of HSDR & FCB**
- **Cost of Work : 312.25 lacs**
- **Total length of Channel : 1,16,500 feet**
- **Length of R.C.C : 2200 Feet**
- **Trough : RD 31600 to 33800**
- **Discharge of channel : 190 Cusec**
- **F.S.D : 4.25 feet**
- **Bed width : 14.5 feet**
- **Date of start : 20.03.2025**
- **Date of Completion : 30.09.2025**
- **Benefitted Area : Protection of Abadi of Ladwa city and other Colonies from Flood.**

सरस्वती नदी की शाखा चौतंग जो अजीजपुर क्षेत्र से आगे चलकर सरस्वती नदी में पाबनी गांव में मिलती है इस पूरी नदी की सफाई करवाकर सारा पानी सरस्वती नदी में लिया जिसकी वजह से सरस्वती नदी में पानी का बहाव बढ़ गया।

BRIDGES AT CHAUTANG NALLAH

BRIDGES AT SARASVATI RIVER

Rd 0 sarasvati river head

Rd 6080 sarasvati river bridge

Rd 19500 sarasvati river bridge

Rd 20790 sarasvati river bridge

Rd 25405 sarasvati river bridge

Rd 27690 sarasvati river bridge

Rd 29500 sarasvati river bridge

Sarasvati river bridge Rd 30880

35690 sarasvati river bridge

Rd 37000
Sarsavati River

Rd 47600
The Sarsavati River

Sarasvati river
Rd 64000

Sarasvati river
Rd 65153

Sarasvati river
Rd 73700

Saraswati river
Rd 75600

Sarasvati river
Rd 78059

Sarasvati river
Rd 80840

Sarasvati river(BL) at RD3440

Sarasvati river at rd125000

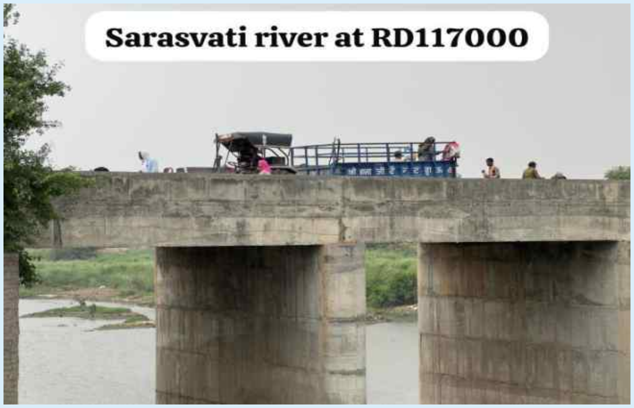
Sarasvati river at RD117000

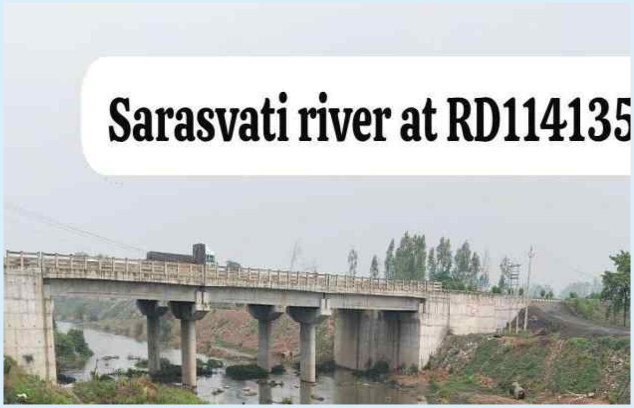
Sarasvati river at RD114135

Sarasvati river at Rd103000

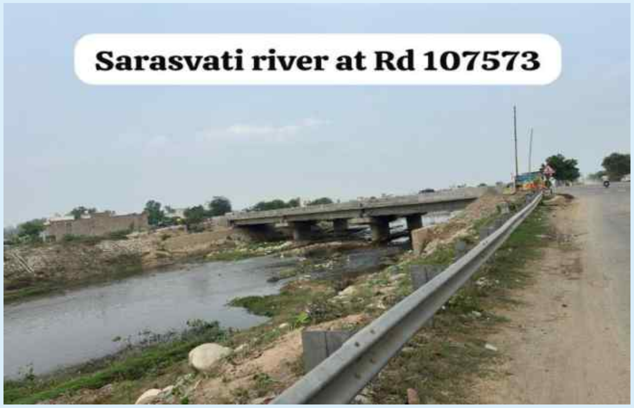
Sarasvati river at Rd 107573

सरस्वती बोर्ड के प्रयासों से चौतंग नदी, शाहाबाद फीडर व सरस्वती नदियों को जोड़ने वाले सियालबा हेड को रेगुलेट किया गया जिसकी वजह से इस क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर पिछले 2 साल से इसमें पानी बहने से इस क्षेत्र के किसान जितेंद्र सिंह, इलम सिंह, सरदार सिंह सतनाम सिंह आदि ने बोर्ड के प्रयासों की तारीफ की।

सरस्वती नदी के तट पर वैदिक काल से पिण्ड दान के केन्द्र है जो यमुनानगर में कपालमोचन व सरस्वती नगर, कुरुक्षेत्र में सन्निहित सरोवर व पृथुदक तीर्थ पिहोवा, कैथल में कपिलमुनी तीर्थ कलायत, राजस्थान में पुष्कर झील, गुजरात में सिद्धपुर तक हमारी टीम सभी केन्द्र पर पहुँची।

गुजरात में सिद्धपुर पाटन जिला जहाँ पर सरस्वती नदी के तट पर पवित्र घाट पर पहुचे जहाँ पर युगों–युगों से सरस्वती नदी के पवित्र घाट पर पिण्ड दान के लिए दूर–दूर से लोग आते है ओर इस घाट की भी मान्यता पिहोवा तीर्थ की तरह है।

सरस्वती नदी और शाहबाद फीडर के मिलन पोईन्ट ऊँचा चांदना हैड को रैगुलेट किया जिससे सरस्वती नदी के जल प्रवाह को तेजी मिली।

यमुनानगर जिला के झिंवरेहडी गाँव में सरस्वती नदी के दोनो तरफ ऊँचा रास्ता बनेगा, अधिकारियों को आदेश दिये

पहले

अब

Benthon Nala clearance 10 Pond systems from Khanpur Kolia to Sarasvati River Pipli

Path under NH - 44 Connecting to ZOO from Sarasvati River Front Pipli

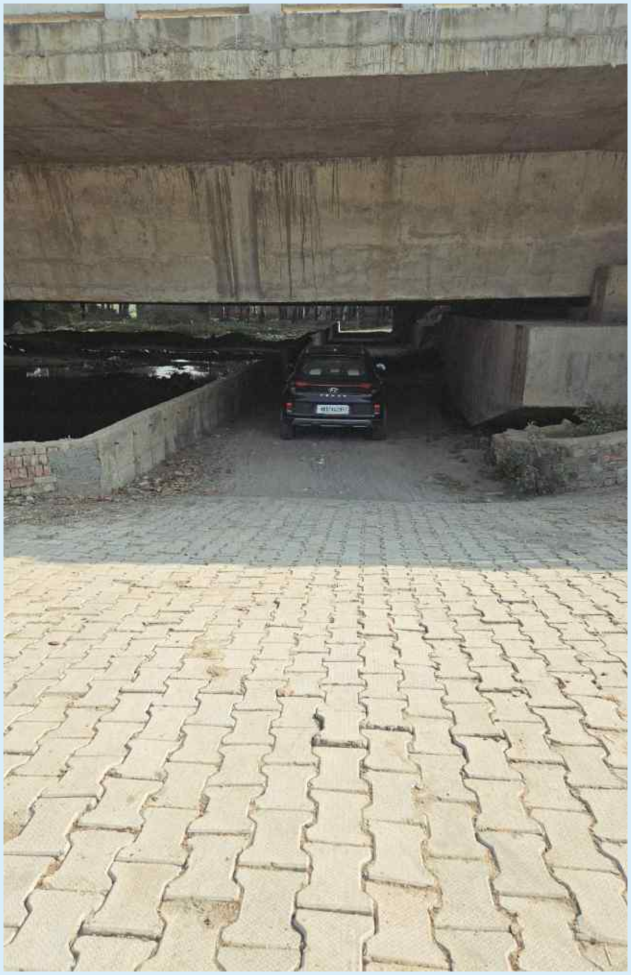

पीपली से लेकर ज्योतिसर सरस्वती नदी को दोनों तरफ से पक्का करके थानेसर शहर में Capacity बढ़ाने के लिए 25 करोड़ के प्रोजैक्ट का शुभारम्भ किया।

पिपली से लेकर ज्योतिसर कुरुक्षेत्र शहर में सरस्वती नदी को एक तरफ से पक्का करके ऊपर से कम से कम 6 से 8 फुट का रास्ता बनाया जाएगा तथा 29 करोड़ में पूरी नदी को कुरुक्षेत्र शहर में चौड़ा किया जा रहा है जोकि माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जी के प्रयासों से अब कुरुक्षेत्र में इस 29 करोड़ प्रोजैक्ट से सरस्वती नदी की Capacity 200 क्यूसिक से बढ़कर लगभग 500 क्यूसिक हो जाएगी और कभी शहर में फ्लड नही आएगा।

Clean and maintain Thanesar parallel drain so that dirty water of city could be transfer in this and clean water pass through Sarasvati

POLLUTION CONTROL

I. Construction of 25 Liquid Waste Management Systems (LWM) on the bank of Sarasvati River

The contaminated water from the nearby villages was flowing into the Sarasvati River and making it polluted. To address this problem, 25 LWMs were constructed with the help of Department of Panchayati Raj. These LWM's, were set up along the Sarasvati River to control the contaminated water and floodwater, helping to keep the Sarasvati River clean. The details of 25 Liquid Waste Management systems are outlined as:

S.No.	District	Village	Estimated Cost (Rs. in Lakh)	Quantity of treated waste water (KL/per day)
1. Haryana Sarasvati Heritage Development Board (HSHDB)				
1	Yamuna Nagar	Khera Kalan	36.12	77.00
2		Mali Majra	24.60	49.00
3		Tala Kaur	24.75	350.00
4		Chhalour	30.78	66.64
5		Pabni Kalan	27.43	149.45
6		Daultpur Malayan	35.74	94.50
7		UnchaChandna	43.69	420.00
8		Mohri	14.98	52.29
9		Khrera Brahman	17.53	75.88
10		TehiJattan	15.69	51.17
11		KheraKhurd	15.29	47.60
12		KheriDarshan	7.04	91.00
13		Fatehpur	14.34	140.00
14	Kurukshetra	KhanpurKolian	24.79	166.53
15		Bhukri	22.50	74.41
16		Bodla	24.15	126.63
17		Kolapur	24.61	190.40
18		AmargarhMajra	20.01	74.62
19		Jyotisar	51.46	560.00
20		Narkatari	7.46	147.00
21		GrahiRodan	15.41	85.89
22		Ramgarh	7.42	84.00
23		Kasithal	19.41	117.60
24		Untsal	6.13	70.00
25	Kaithal	Sotha	52.14	250.00
		Total	**583.47**	**4328.55**

Sewage Treatment Plant (STP)

DPR for conveyance structures and pump stations for inclusion of waste water of adjoining villages (BheelChapper, ChandaKheri, Kakroni) to STP Bilaspur.

DPR for conveyance structures and pump stations for inclusion of waste water of adjoining villages (Sabalpur, Chhappar& Mggarpur) to STP Sarasvati Nagar.

Coordinating with HSVP and PHED for setting up STPs

The Public Health Engineering Department (PHED) and other agenices will take action to prevent polluted water flowing into the Sarasvati River at Pipli, Under Agenda No. 5.8 (i) approved by the Governing Body. This department will work with the Haryana Irrigation & Water Resources Department (I&WRD), Haryana Shehri Vikas Paradhikaran (HSVP), the Urban Local Bodies Department, and the Panchayati Raj Department to develop a plan. Their goal is to ensure no untreated wastewater be disposed into the Sarasvati River from Adi Badri to its outfall in River Ghaggar.

Presently, there are several locations along the Sarasvati River where polluted water is being discharged. The PHED has identified some places that release wastewater into the river. To address this issue, a proposal has been submitted to the Government to get approval for a sewage treatment plant (STP) at Kheri Markanda and Partapgarh, costing 42.00 crore.

Kheri Markanda STP

Kheri Markanda STP

Installation of Signage Boards

The signage boards indicating the presence of the Sarasvati River have been installed on along the roads of district Yamunanagar and Kurukshetra. These signboards serve to highlight the location of the Sarasvati River and its significance. Individuals passing through the district will now scan the QR codes on the boards to access valuable information about the Sarasvati River and its Heritage, enriching their understanding of the area's cultural importance. The updation of information on QR code is in progress. The tender for the same project in Kaithal is currently in the process of being finalized. The details of the signage Board is under as:

Kurukshetra - 63
Kaithal - 42
Yamunanagar - 15

नरकातारी सरस्वती, बाण गंगा व हनुमान जी का मन्दिर जहाँ पर सरस्वती बोर्ड ने माँ सरस्वती की मूर्ति की स्थापना की। यह तीर्थ अष्टकोसी परिक्रमा का आखरी पडाव है जहाँ पर श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की।

सरस्वती बोर्ड भगवान श्री कृष्ण की गीता उपदेश स्थली ज्योतिसर को सरस्वती नदी से जोड़ने का प्रोजैक्ट पर कार्य कर रहा है जिसपर यात्रियों के लिए एक घाट व जल के प्रवाह का मार्ग बनाया जा रहा है।

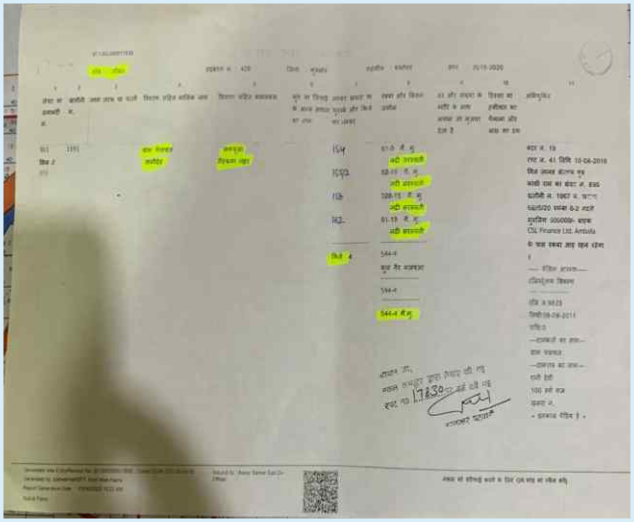

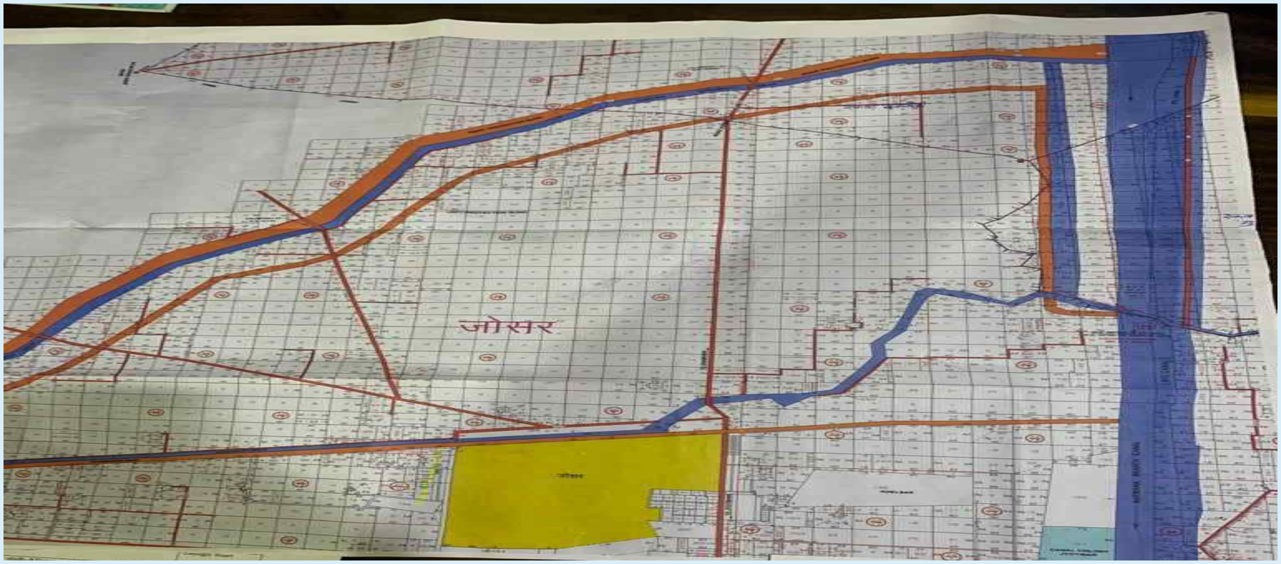

पिहोवा में सरस्वती नदी के तट पर स्थापित पृथूदक तीर्थ पर केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल जी से सरस्वती आरती स्थल का शुभारम्भ सरस्वती महोत्सव 2025 में करवाया गया तथा सरोवर में स्वच्छ जल की व्यवस्था भी की।

सोथा गांव सरस्वती नदी के किनारे कैथल जिला में स्थित है जहाँ पर माना जाता है कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस काफी समय तक सरस्वती नदी के किनारे गुप्त आवास में रुके थे। अब सरस्वती बोर्ड के द्वारा इस गांव में सुभाष चंद्र बोस जी का घाट बनाया जा रहा है। यहाँ पर प्राचीन शिव मन्दिर भी है।

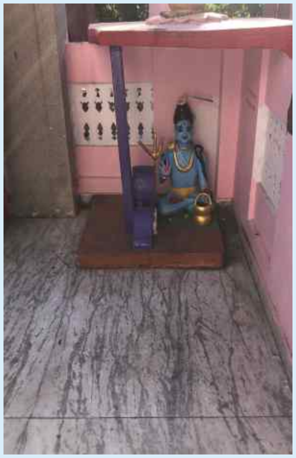

हंस डहर तीर्थ

हंस डहर तीर्थ जीन्द जिला में सरस्वती नदी के पैलियो-चैनल पर स्थित है यह सरस्वती तीर्थ प्राचीनकाल से पिण्डदान के लिए माना जाता है सोमवारी अमावस्या को बहुत बड़ा मेला लगता है बोर्ड यहाँ पर एक सुन्दर घाट व श्रद्धालुओं के लिए सुविधाए प्रदान करने जा रहा है। गांव वासियों के अनुसार यहाँ पर पाण्डुओं ने 14 वर्ष तक सोमवारी अमावस्या का इंतजार किया था और इस पवित्र सरस्वती तीर्थ में पाण्डुओं ने डूबकी भी लगाई थी। यहाँ पर श्री कपिलमुनी का भी मन्दिर है।

Barrage testing going on by CSMRS team and work is near to complete at Adi Badri

The Vedas recognizes as the oldest literature available to mankind, not merely as a religious text, but as a record of past geological and historical events. Such studies are undoubtedly beneficial and will aid in a better understanding of human development. A thorough examination of ancient scriptures may reveal hidden meanings, clarifying our perceptions about Sarasvati River.

Tracing the course of the Sarasvati River and its heritage is expected to usher in a new era of Sarasvati studies. This effort will involve multidisciplinary studies, involving geologists, geomorphologists, experts in interpreting satellite imagery, geochemists specialized in isotope work, archaeologist, paleo-oceanography, paleo seismologists, historians specialized in pre-history, Vedic scholars and environmentalists for gathering all available evidence and reconstructing the course of past events pertaining to this River. This work will deepen our understanding of how the Sarasvati River has changed throughout history.

Keeping in view, the Haryana government-initiated research on the Saraswati River system in Haryana during the year 2017.The Government of Haryana has set up a research center CERSR with effort of Sarasvati Board in the Kurukshetra University, Kurukshetra The Haryana Sarasvati Heritage Development Board is funding 50.00 lakh annually.

HSHDB Funded Research Centre in KU (CERSR). According to research conducted by CERSR, the following scenario has emerged.

सरस्वती बोर्ड के द्वारा प्राचीन सरस्वती सिंधु सभ्यता के वर्णन हेतु मैप माई इण्डियाँ से एक प्राचीन मैप तैयार करवाया गया। जिसमे सरस्वती नदी के ट्रैक, सरस्वती नदी के किनारे स्थापित आरकेलॉजिकल साईटस व जनपदो सहित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गई है

सरस्वती बोर्ड हरियाणा के सिरसा औटू हैड से राजस्थान में भी सरस्वती नदी को प्राचीनकाल में जहाँ सरस्वती नदी बहती थी, के रास्ते पर भी कार्य कर रहा है जिसमे इसरो के सहयोग से राजस्थान में बह रही लूनी नदी को जोड़ने का प्रयास जारी है। लूनी नदी सरस्वती नदी के पैलियों–चैनल पर स्थित है।

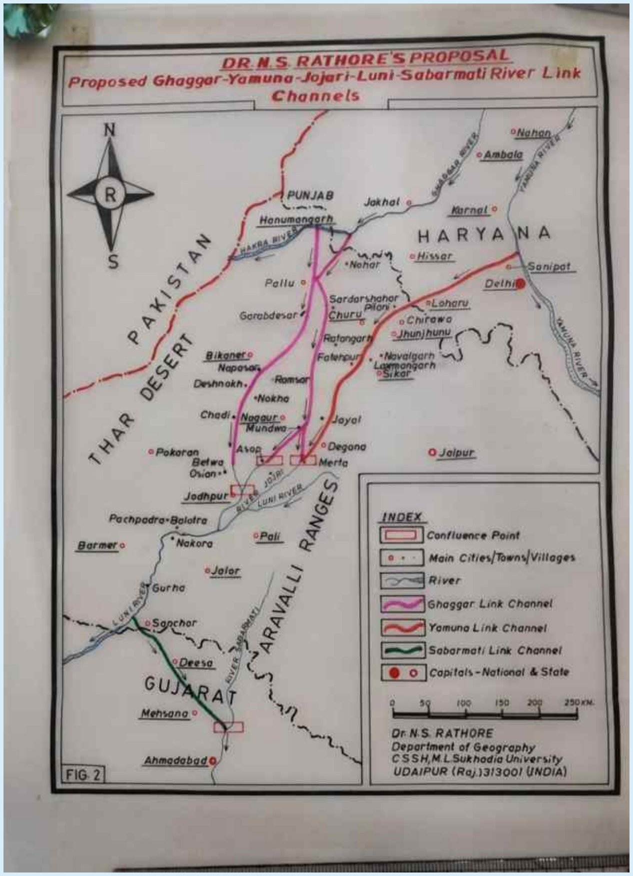

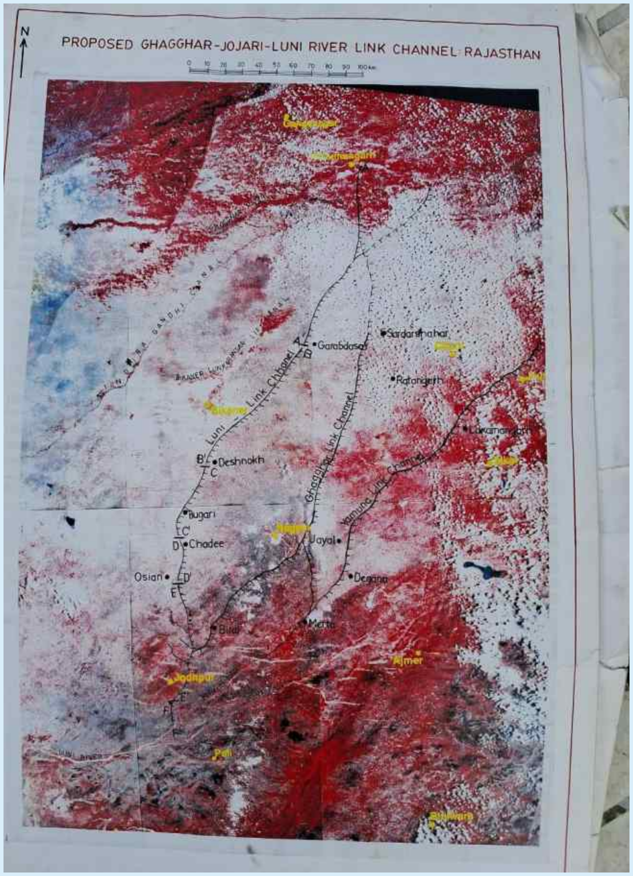

हर्षवर्धन (606–647 ई०) का चित्र एवं हस्ताक्षर

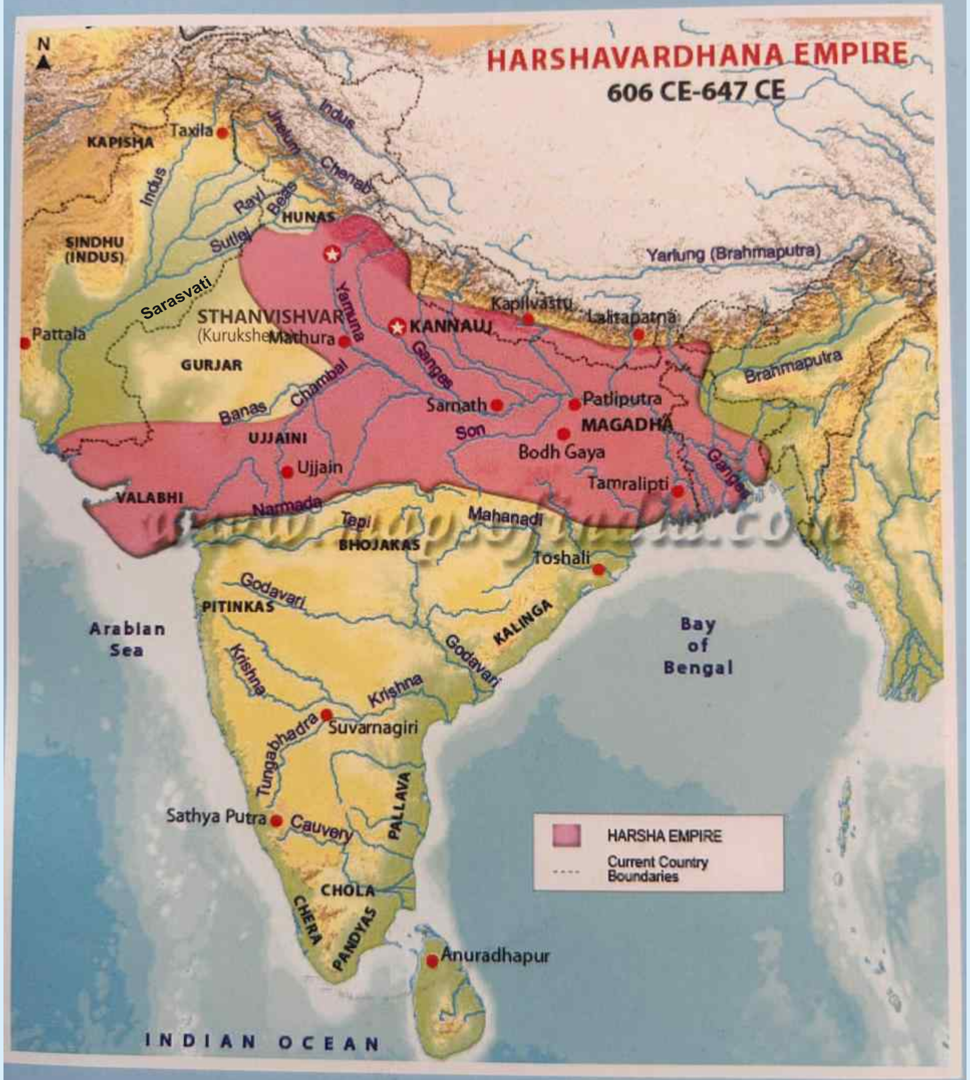

हर्षवर्धन का साम्राज्य

जनता के सहयोग से स्वच्छता अभियान निरन्तर जारी

ब्रहम सरोवर महाआरती शुरू की

सरस्वती तीर्थ पिहोवा पर प्राचीनकाल से चली आ रही सरस्वती परिक्रमा की शुरूआत की

यमुनानगर, कुरुक्षेत्र व कैथल में ऐसे 62 बन्द पडे कुओं को खुलवाया तथा बारिश का पानी उनमें डायवर्ट करवाया, जिससे करोड़ों लिटर पानी रिचार्ज हुआ तथा डार्कजोन से मिला छुटकारा

वैदिक सरस्वती नदी का पुनर्जीवन

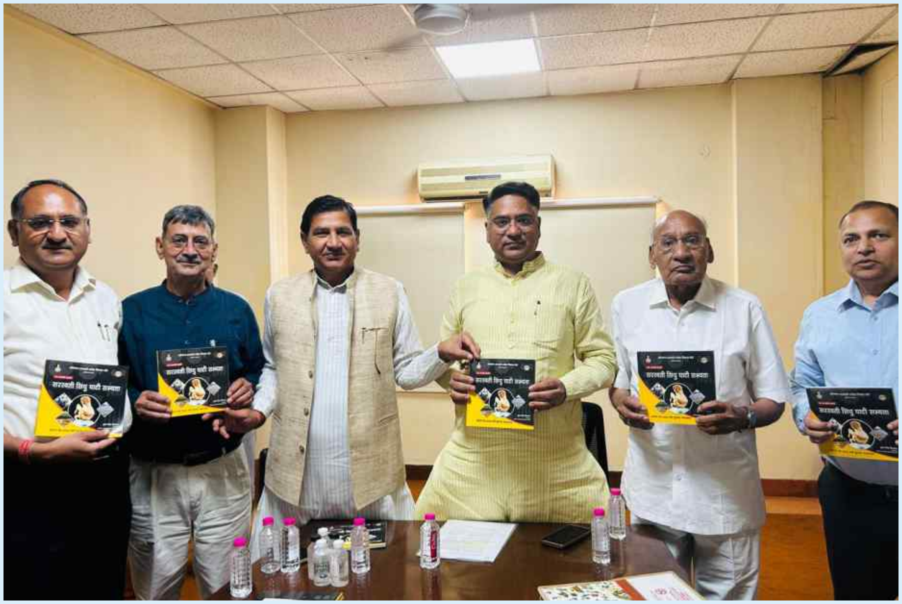

विषय सरस्वती नदी को लेकर राजस्थान सरकार की पहल पर एक मीटिंग सरस्वती हेरिटेज बोर्ड के साथ बिरला विज्ञान अनुसंधान संस्थान जयपुर में हुई जिसमें राजस्थान गवर्मेंट के इरीगेशन मंत्री सुरेश रावत शामिल हुए और सरस्वती बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन धूमन सिंह किरमच व बिरला विज्ञान अनुसंधान संस्थान जयपुर के सुदूर संवेदन विभाग प्रमुख डश्वक्टर महावीर पूनिया और वर्चुअल जुड़ने वाले अधिकारी इसरो के रिटायर्ड डायरेक्टर डश्वक्टर जे आर शर्मा और डश्वक्टर बी के भद्रा भी उपस्थित रहे।

सरस्वती नदी को लेकर राजस्थान सरकार की पहल पर एक मीटिंग सरस्वती हेरिटेज बोर्ड के साथ बिड़ला इंस्टीट्यूट जयपुर में हुई जिसमें राजस्थान गवर्मेंट के इरीगेशन मंत्री सुरेश रावत शामिल हुए और सरस्वती बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन धूमन सिंह किरमच व बिरला विज्ञान अनुसंधान संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डश्वक्टर महावीर पूनिया व वर्चुअल जुड़ने वाले अधिकारी इसरो के रिटायर्ड मुख्य सामान्य प्रबंधक डश्वक्टर जे आर शर्मा और डश्वक्टर बी के भद्रा डश्वक्टर सुल्तान सिंह प्रोफेसर एच. एस. शर्मा डश्वक्टर एस. सी. धीमन पूर्व अध्यक्ष सी जी डब्ल्यू बी व विभिन्न वैज्ञानिक शामिल हुए जिसमें सरस्वती नदी को हरियाणा के तर्ज पर राजस्थान में बहाने को लेकर एक प्लान इरीगेशन राजस्थान निष्ठा के साथ बना रहा है। इसका प्रपोजल सरस्वती बोर्ड हरियाणा के द्वारा रखा गया जिसमें प्रदेश सरकार के मंत्री सुरेश सिंह रावत ने इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने की बात कही और इस प्रोजेक्ट को प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल के समक्ष रखने के लिए कहा। सरस्वती नदी इस क्षेत्र में युगों युगों से बहती थी और अब इस नदी को धरातल पर लाने का काम हरियाणा के साथ राजस्थान सरकार ने शुरू किया है। अभी तक राजस्थान में पुष्कर झील गुजरात का सि)पुर बड़ा क्षेत्र सरस्वती के पैलियो चौनल पर आता है। यह हरियाणा से हनुमानगढ़ अनूपगढ़ से होते हुए कच्छ का रण में गिरती थी। इसके ऊपर भी दोनों सरकारें मिलकर काम करना चाहती है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी भी इस प्रोजेक्ट में काम करने के के लिए आदेश कर चुके हैं और राजस्थान सरकार की इच्छा शक्ति इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ा सकती है और राजस्थान के सूखे क्षेत्र को हरा भरा बनाने में बहुत बड़ा काम कर सकती है। आज इस बैठक में मुख्य मुख्य बिंदुओं पर चर्चा हुई जिस तरह से झेलम,रावी ब्यास सतलुज का पानी हरियाणा पंजाब राजस्थान की नदियों को दिया जा सकता है उसी तर्ज पर राजस्थान में इस नदी प्रोजेक्ट में काम करने के लिए इरिगेशन डिपार्टमेंट के मुख्य अभियंता सिंचाई विभाग भुवन भास्कर अग्रवाल भी शामिल हुए उन्होंने इस प्रपोजल को आगे बढ़ाने के लिए बात कही इस अवसर पर उनके साथ इस संस्थान के कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर पी. घोष इस संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डश्वक्टर महावीर पूनिया प्रमुख सुदूर संवेदन विभाग भी उपस्थित रहे।

सरस्वती बोर्ड के प्रयासों से राजस्थान सरकार के द्वारा सरस्वती नदी प्रोजैक्ट के लिए एक समिति का गठन किया गया जिससे राजस्थान में भी सरस्वती नदी प्रोजैक्ट को गति मिलेगी।

Office of the Chief Engineer, Water Resources Department, Rajasthan Jaipur

IGNB Building, Bhawani Singh Road, Jaipur, Rajasthan 302005

Telephone-0141 2227042, Email: sewwrd2@gmail.com

No. F.3 (29)/CEWR/SE (W)/Saraswati Paleochannel/ 1638 Date:- 18/06/2025

कार्यालय–आदेश

राइजिंग राजस्थान कार्यक्रम के दौरान दिनांक 09 दिसम्बर 2024 को राजस्थान सरकार और डेनमार्क दूतावास के मध्य एक Letter of Intent (LoI) "Collaboration on the Rejuvenation of the Saraswati Paleochannel" पर हस्ताक्षर किये गये। उक्त कम में सरस्वती हेरिटेज बोर्ड हरियाणा व जल संसाधन विभाग, राजस्थान के अधिकारियों की बैठक दिनांक 28.04.2025 को आयोजित की गई। बैठक में माननीय मंत्री महोदय, जल संसाधन विभाग, राजस्थान द्वारा दिये गये निर्देशों की पालना में वैदिक सरस्वती नदी के पुर्नजीवन संबंधी कार्य हेतु सलाहकार समिति का गठन निम्नानुसार किया जाता है:–

1. प्रोफेसर एच एस शर्मा, पूर्व विभागाध्यक्ष भूगोल एव डीन विज्ञान संकाय, राजस्थान विश्वविधालय, जयपुर
2. प्रोफेसर गुणवंत शर्मा, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, एमएनआईटी, जयपुर
3. डॉ. जे आर शर्मा, पूर्व मुख्य महाप्रबंधक, क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो), हैदराबाद
4. डॉ. एम पी पूनिया, विभागाध्यक्ष, रिमोट सेंसिंग, बिड़ला इंस्टिट्यूट ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, जयपुर
5. श्री योगेश कुमार मित्तल, मुख्य अभियन्ता, SWRPD, जयपुर **समन्वयक (Convenor)**
6. श्री शिव चरण रेगर, अधीक्षण अभियन्ता (QC), जल संसाधन (उत्तर) हनुमानगढ
7. श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा, अधिशाषी अभियन्ता (Ghagghar Flood Control & Drainage Div.), हनुमानगढ
8. श्री सुनील व्यास, अधीक्षण अभियन्ता (Environment), SWRPD, जयपुर **(सदस्य सचिव)**

यह सक्षम स्तर से अनुमोदित है।

(सुनील शर्मा)
अधीक्षण अभियन्ता(कार्य)
कार्यालय मुख्य अभियन्ता, जल संसाधन,
राजस्थान जयपुर

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित है:–

1. निजी सचिव, माननीय मंत्री महोदय, जल संसाधन विभाग, राजस्थान
2. निजी सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव, जल संसाधन विभाग, राजस्थान
3. निजी सचिव, अतिरिक्त सचिव एवं मुख्य अभियन्ता, जल संसाधन विभाग, राजस्थान
4. मुख्य अभियन्ता, राज्य जल संसाधन आयोजना विभाग, जयपुर
5. मुख्य अभियन्ता, जल संसाधन संभाग, उत्तर हनुमानगढ

Signature Not Verified
Digitally signed by Sunil Sharma
Designation : Superintending Engineer
Date: 2025.06.18 18:24:42 IST
Reason: Approved

यमुनानगर बिलासपुर से लेकर सिरसा औटू हैड तक 400 कि.मी. में चल रहा सरस्वती नदी का पानी जिसमें यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल, पंजाब का पटियाला जिला, जीन्द, फतेहाबाद और सिरसा

लाडवा हल्का के मंगोली गांव में जल संरक्षण कार्यक्रम में बच्चों को जागरूक व जिन बच्चों ने अच्छा कार्य किया उन्हें सम्मानित भी किया।

राष्ट्रीय नदी संगम भारत मण्डम्प दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में पूज्य श्री श्री रवि शंकर जी व केंद्रीय मंत्री सी आर पाटिल जी द्वारा माँ सरस्वती नदी की सेवा हेतु सरस्वती नदी बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन धूमन सिंह किरमच को स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया, धूमन सिंह ने कहा इस राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित होना मेरे लिए सौभाग्य की अनुभूति है उन्होंने आयोजक राष्ट्रीय नदी परिषद के अध्यक्ष रमन कांत जी व पूरी टीम को व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी व जल शक्ति मंत्रालय को सादर प्रणाम व आभार इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए 10 नदी प्रेमियों को किया सम्मानित और सम्मानित किए जाने वाले ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 2047 तक के सभी नदियों में अविरल प्रवाह हो मुख्य उद्देश्य है। धूमन सिंह ने कहा कि हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सैनी जी व पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी के प्रयासों से प्रदेश के सभी नदी के विकास के लिए कार्य करना हमारा लक्ष्य है और अब सरस्वती नदी पर उत्कृष्ट सहयोग करने वाले लोगों का आभार प्रकट करते हैं।

धूमन सिंह किरमच ने मुख्यमंत्री नायब सैनी जी को भेंट किया सरस्वती नदी पर उत्कृष्ट कार्य करने पर राष्ट्रीय नदी परिषद द्वारा दिया गया राष्ट्रीय पुरस्कार। हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के अध्यक्ष है सीएम व उपाध्यक्ष है धूमन सिंह किरमच।

ब्रह्मसरोवर आरती को अपने हाथों से शुरू करवाया आज उसी में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जी, माननीय केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल जी शामिल हुए।

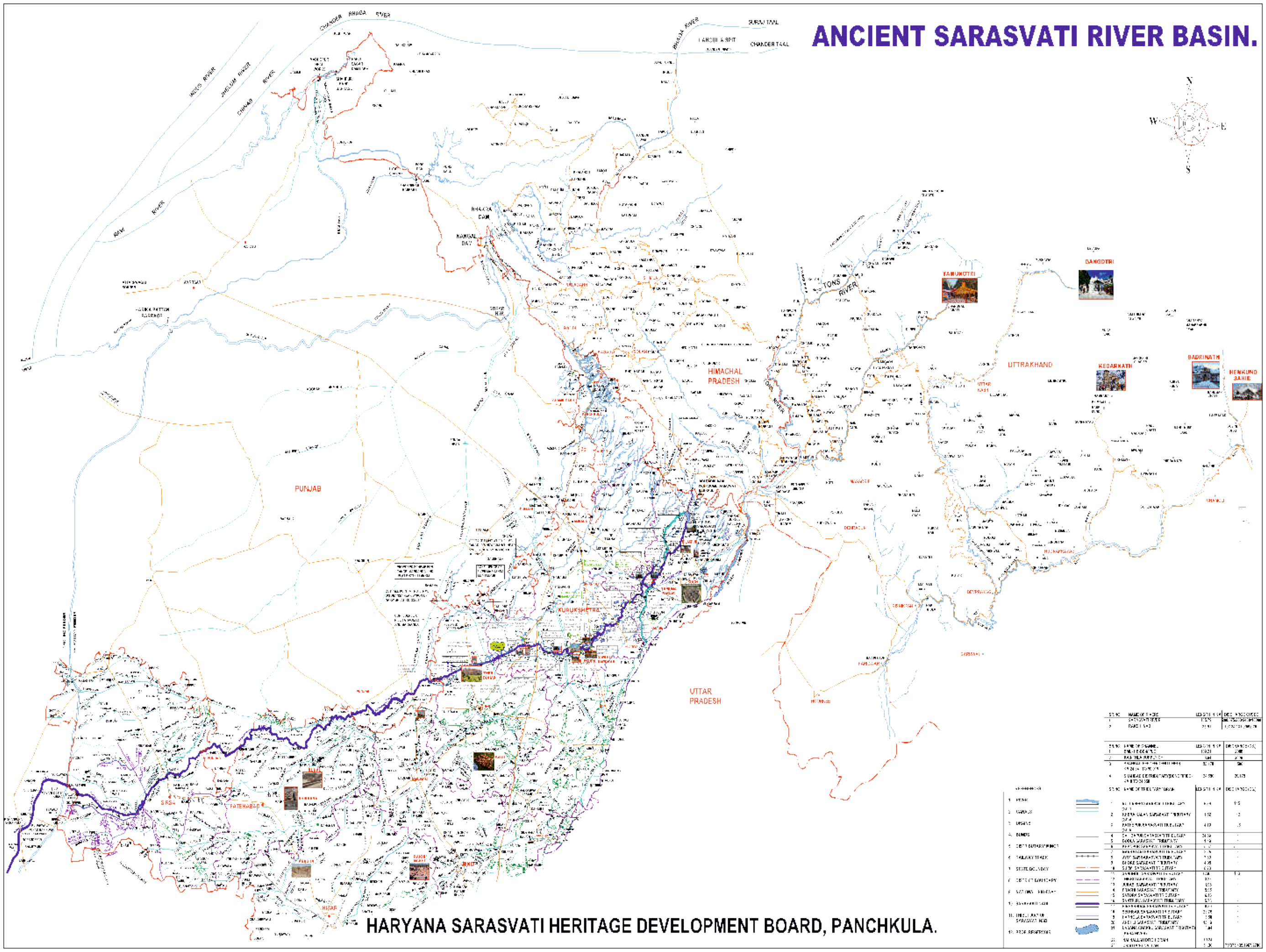

ANCIENT SARASVATI RIVER BASIN.
HARYANA SARASVATI HERITAGE DEVELOPMENT BOARD, PANCHKULA.
PUNJAB
HIMACHAL PRADESH
UTTRAKHAND
UTTAR PRADESH
KURUKSHETRA
TONS RIVER
YAMUNOTRI
GANGOTRI
KEDARNATH
BADRINATH
HEMKUND SAHIB
RAVI RIVER
CHANDER TAAL
SURAJ TAAL
N
S
E
W